an>

Title: Regarding flood situation in some parts of the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। इस सदन में लगातार पिछले कई दिनों से जहां देश के काफी बड़े हिस्सों में सूखे से उत्पन्न स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई और उसके लिए कुछ कार्य योजना भी सरकार ने बनाई जिसका उल्लेख सदन में किया गया। लेकिन पिछले दिनों नेपाल के बैराज से पानी छोड़ने के कारण पूरे उत्तर प्रदेश और नेपाल की सीमा पर शारदा नदी में भी बाढ़ आ गई, जिसके कारण खीरी, पीलीभीत, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजंग, कुशीनगर जनपदों में काफी गांव जलप्लावित हो गए और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। देश के केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं आज महाराष्ट्र के विदर्भ में भी पर्णकोटा नदी में बाढ़ आ गई। इसी तरीके से बिहार की कोसी नदी में है, जमशेदपुर में है। इस तरह की कठिनाई पूरे देश में उत्पन्न हो गई है कि बाढ़ से भी आज काफी नुकसान हो रहा है। घाघरा अपने खतरे के निशान 64.01 मीटर के ऊपर पहुंच गयी है। इसी तरह से शारदा नदी भी अपने जल स्तर 163.30 मीटर को क्रास कर गई है। स्वाभाविक है कि इससे गंगा में भी जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। जिसके कारण आज बुलंदशहर, नरोरा, रामगंगा, मुरादाबाद या बलिया के तुरतीपार हो, बाराबंकी का एलग्रिम ब्रिज हो, इन सब जगहों पर घाघरा है, शारदा है, राप्ती है, इन नदियों के सभी जगहों पर बाढ़ का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। इसलिए मैं आपके माध्यम से चाहता हूँ कि सरकार राज्य सरकारों को और वाटर रिसोर्सेज़ मिनिस्ट्री कम से कम इस बाढ़ से जो नुकसान हो रहा है, जो गांव कटान में हैं, कुछ गांव के घर जो जलप्लावित हो रहे हैं, जो जन-धन की हानि हो रही है या जानवरों के सामने चारे का संकट उत्पनन हो रहा है, उसके लिए उपाय किए जाएं। जो गांव बांधों के किनारे नदियों में कट रहे हैं, उनको कहीं रीहैबिलिटेट किया जाए। मैं आपसे यह पुरज़ोर मांग करता हूँ।

माननवर, यह केवल एक राज्य तक ही सीमित नहीं है। हमारे साथी बलरामपुर के, श्रावस्ती के, हमारी मंत्री मेनका जी बैठी हैं, जो पीलीभीत से आती हैं, सभी जगहों पर यह समस्या उत्पन्न हो गई है। यह पूरे सदन के लिए एक चिंता का विषय है। मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे समय दिया।